मन का मीत | by Sheetal Pandey

ओ बाबा .....
ओ बाबा तुमसे नहीं है कोई शिकवा गिला
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला
ओ बाबा .....

बन के मन का मीत मेरे मुझको मिला तू
तुमने पोंछ डाले मेरी अँखियो के आंसू
ओ बाबा हाय .....
ओ बाबा सर पे हाथ धर के दिया मुझे हौंसला
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला
ओ बाबा .....

रूठा ज़माना एक तू ही नहीं रूठा
मुझसे है बाबा तेरा दर नहीं छूटा
ओ बाबा हाय .....
ओ बाबा दर तेरे आने का ना टूटा सिलसिला
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला
ओ बाबा .....

रोमी को तेरे रहते कुछ ना कमी है
बड़ी मौज से कटरही ज़िन्दगी है
ओ बाबा हाय .....
ओ बाबा भक्ति का तेरी पाया ऐसा सिला
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला
ओ बाबा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%80%e0%a4%a4-by-sheetal-pandey/